

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Objectionable remarks on Maulana Mohammad Ali Jauhar, a freedom fighter

डा. तजीन फातमा (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदय, मैं एक बेहद दुखद ...**(व्यवधान)**... उसे मैं आपकी इजाजत से आपके सामने, सदन के सामने रखना चाहती हूँ।

दिनांक 25 एवं 26 मार्च को श्री एजाज अब्बास नक्रवी, मेम्बर, सेंट्रल वक्फ काउंसिल, रामपुर आये और मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के संदर्भ में उन्होंने एक न्यूज चैनल को दिये गये साक्षात्कार में मौलाना मोहम्मद अली जौहर के बारे में जो निन्दनीय टिप्पणी की, उसे मैं इस सदन के सामने रखना चाहती हूँ। श्री एजाज अब्बास नक्रवी ने मौलाना मोहम्मद अली जौहर के बारे में जो कहा, उसको मैं उन्हीं के शब्दों में बता रही हूँ, "उधर फिलिस्तीन में कोई आदमी मर गया था, उसके नाम पर कोई यूनिवर्सिटी खोली गई है", यह है एक तथाकथित पढ़े-लिखे शाख्स की टिप्पणी, एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, एक मुजाहिदे आजादी के बारे में। मौलाना स्वतंत्रता आंदोलन के उन नेताओं में से थे, जिनके बारे में गांधी जी ने कहा था, "अगर अली ब्रादरान न होते, तो हिन्दोस्तान आजाद न होता।" मौलाना मोहम्मद अली जौहर स्वतंत्रता आंदोलन के उन नेताओं में से थे, जिन्होंने राष्ट्रहित में गौ रक्षा की मांग की थी।

वर्ष 1990 में लंदन में गोलमेज कॉफ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने पूर्ण स्वराज की मांग करते हुए कहा था कि मैं अपने देश उसी स्थिति में वापस जाऊंगा, जब मेरे हाथ में आजादी का परवाना होगा, वरना आपको मुझे एक कब्र की जगह देनी होगी।

क्या आज हम अपने स्वतंत्रता सेनानियों को यही सम्मान दे रहे हैं कि उन्हें इस तरह से संबोधित किया जाए कि फिलिस्तीन में कोई मर गया था? माननीय उपसभापति महोदय, ऐसे व्यक्ति को सेंट्रल वक्फ काउंसिल में रहने का कोई अधिकार नहीं है और मैं चाहती हूँ कि एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का अपमान करने के लिए श्री एजाज अब्बास नक्रवी के विरुद्ध सदन निन्दा प्रस्ताव पारित करे। माननीय उपसभापति महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से यह आग्रह है कि सरकार उन्हें सेंट्रल वक्फ काउंसिल की पवित्र सदस्यता से बर्खास्त करे, धन्यवाद।

† ڈاکٹر تزین فاطمہ (اترپردیش): ماننیے آپ سبھاپتی مہودے، میں ایک بہت ہی دکھد

پرکرن، آج اس سدن کے سامنے لانا چاہتی ہوں۔ 25 اور 26 مارچ، 2017 کو شری

اعجاز عباس نقوی صاحب، ممبر سینٹرل وقف کونسل، رامپور آئے اور مولانا محمد علی

جوہر یونیورسٹی سے متعلق ایک نیوز چینل کو دئیے گئے انٹرویو میں انہوں نے مولانا

محمد علی جوہر کے بارے میں توہین آمیز تبصرہ کیا۔ اسے میں اس سدن کے سامنے رکھنا

چاہتی ہوں۔

شری اعجاز عباس نقوی نے مولانا محمد علی جوہر کے بارے میں جو کہا، اس کو میں انہیں کے شہدوں میں بتا رہی ہوں، "ادھر فلسطین میں کوئی آدمی مر گیا تھا، اس کے نام پر کوئی یونیورسٹی کھولی گئی ہے"، یہ ایک بے نام نہاد پڑھے لکھے شخص کی ٹپنی، ایک سوتنتر سنگرام سینانی، ایک مجاہد آزادی کے بارے میں۔ مولانا سوتنتر آندولن کے ان نیتاؤں میں سے تھے، جن کے بارے میں گاندھی جی نے کہا تھا، "اگر علی برادران نہ ہوتے، تو ہندوستان آزاد نہ ہوتا"۔ مولانا محمد علی جوہر سوتنتر آندولن کے ان نیتاؤں میں سے تھے، جنہوں نے راشٹریت میں گنو-رکشا کی مانگ کی تھی۔

سال 1930 میں لندن میں گول میز کانفرنس میں بولتے ہوئے انہوں نے مکمل سوراخ کی مانگ کرتے ہوئے کہا تھا کہ اپنے دیش اسی حالت میں واپس جاؤں گا، جب میرے ہاتھ میں آزادی کا پروانہ ہوگا، ورنہ آپ کو مجھے ایک قبر کی جگہ دینی ہوگی۔ کیا آج ہم اپنے سوتنتر سینانیوں کو یہی سمان دے رہے ہیں کہ انہیں اس طرح سے مخاطب کیا جائے کہ فلسطین میں کوئی مر گیا تھا؟ مائٹے اپ سبھا پتی مہودے، ایسے آدمی کی سینٹرل وقف کاؤنسل میں رہنے کا کوئی ادھیکار نہیں ہے اور میں چاہتی ہوں کہ ایک سوتنتر سنگرام سینانی کا ایمان کرنے کے لئے شری اعجاز عباس نقوی کے خلاف سدن نندا پرستاؤ پارت کرے۔ مائٹے اپ سبھا پتی مہودے، میرا آپ کے مادھیم سے سرکار سے یہ اگریہہ ہے کہ سرکار انہیں سینٹرل وقف کاؤنسل کی پوتر سندسیتہ سے برخاست کرے، دھنیواد۔

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): सर, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ। ... (व्यवधान)...
चूँकि यह विषय बहुत निन्दनीय है, इसलिए माननीय मंत्री जी इस पर जवाब दें। ... (व्यवधान)...

SHRIMATI JAYA BACHCHAN (Uttar Pradesh): Sir, I associate with the issue raised by the hon. Member.

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI K. RAHMAN KHAN (Karkataka): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

KUMARI SELJA (Haryana): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI P. BHATTACHARYA (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI RIPUN BORA (Assam): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

श्री हुसैन दलवाई (महाराष्ट्र): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करती हूँ।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री सुरेन्द्र सिंह नागर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री जावेद अली खान (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

† جناب جاوید علی خان: مہودے، میں بھی خود کو اس موضوع سے سمبڈ کرتا ہوں۔

श्री दर्शन सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री रवि प्रकाश वर्मा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

डा. चन्द्रपाल सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. ...*(Interruptions)*... Thank you. ...*(Interruptions)*... Shri Partap Singh Bajwa. ...*(Interruptions)*... Shri Partap Singh Bajwa. ...*(Interruptions)*...

SHRI DIGVIJAYA SINGH (Maharashtra): Sir, we need a reaction from the hon. Minister. ...*(Interruptions)*... He also belongs to Rampur. ...*(Interruptions)*... Sir, we need a reaction. ...*(Interruptions)*... Sir, we need a reaction from Mr. Naqvi. ...*(Interruptions)*... He also belongs to Rampur. ...*(Interruptions)*...

श्री नीरज शेखर: सर, माननीय मंत्री जी जवाब दें। ...*(व्यवधान)*...

श्री उपसभापति: दिग्विजय जी, कृपया आप बैठिए। ...*(व्यवधान)*... बाजवा जी, आप शुरू कीजिए। ...*(व्यवधान)*...

SHRI TAPAN KUMAR SEN: It is an act of another. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Bajwaji, you please speak. ...*(Interruptions)*... Nothing else will go on record. ...*(Interruptions)*... You start speaking.